

SHRI NARENDER SINGH

Shri Narender Singh is a well known dairy farm owner of Panipat. The leading position, that Golu Dairy Farm has earned today, is the result of the great efforts put by Shri Narender Singh. Currently, he is holding the position of Panchayat Secretary at Ishrana, a Village in Panipat, Haryana. His immense knowledge and love towards the animals made him the President of Murrah Animal Association in Haryana and also established him as the best farmer in India.

2. Shri Narender Singh was born in 1973 at a small Village Didwari in Panipat, Haryana and studied in a Government school. After completing his studies, at the age of 19, he joined Panchayat for the welfare of the society since his childhood he was interested in doing social activities for the well-being of the animals.

3. He has been rearing buffaloes for more than 15 years. Earlier, if any of his Cattle need veterinary care, he would have to travel long distances to get reach the nearest clinic. Now, all the information and help he needs is at his fingertips. He draws on his long years of experience to educate and alert other farmers about cattle diseases, pre-emptive measures, and vaccination schedules. 1992 was the year when he got his first job

4. Shri Narender Singh has achieved several prestigious awards by the Govt. of India. He has been honoured as the Best Farmer (2011), and as Best Breeder by VIENDO and Columbia team. One of his biggest achievements is Gopal Ratan Award (2017).

पद्म श्री



श्री नरेंद्र सिंह

श्री नरेंद्र सिंह पानीपत के एक जाने-माने डेयरी फार्म मालिक है। यह श्री नरेंद्र सिंह के अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि गोलू डेयरी फार्म को अग्रणी स्थान हासिल हुआ है। फिलहाल आप पानीपत के इसराना गांव में पंचायत सचिव के पद पर आसीन है। आपके असीम ज्ञान एवं पशुओं के प्रति अगाध प्रेम के वजह से आपको मुर्राह एनीमल एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया और आपको भारत में सर्वश्रेष्ठ किसान होने का गौरव प्राप्त हुआ।

2. श्री नरेन्द्र सिंह का जन्म वर्ष 1973 में पानीपत, हरियाणा के दिदवाड़ी नामक एक छोटे से गांव में हुआ तथा आपने सरकारी स्कूल में शिक्षा प्राप्त की। अपनी शिक्षा पूर्ण करने के उपरांत 19 वर्ष की आयु में ही आप समाज के कल्याण के लिए पंचायत के सदस्य बन गए। बचपन से ही आपकी पशुओं के कल्याण के लिए सामाजिक गतिविधियां चलाने में गहन रूचि थी।

3. आप पंद्रह से भी अधिक वर्षों से भैंस पाल रहे हैं। पहले भी यदि कभी उनके किसी पशु को चिकित्सा की आवश्यकता पड़ी तो आपने निकटस्थ चिकित्सालय तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय की। अब आपको जो भी सूचना या सहायता चाहिए वह आपके लिए सरलता से उपलब्ध है। आप पशुओं से संबंधित रोगों, उनकी रोकथाम के लिए किए जाने वाले पूर्वोपायों तथा टीकाकरण के बारे में अन्य किसानों को शिक्षित एवं जागरूक करने के लिए अपने कई वर्षों के अनुभव से अवगत कराते रहते हैं। वर्ष 1992 में आपको अपनी पहली नौकरी मिली।

4. श्री नरेन्द्र सिंह को भारत सरकार की ओर से विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। आपको वीआईईएनडीओ तथा कोलंबिया टीम द्वारा बेस्ट फार्मर (2011) तथा बेस्ट ब्रीडर (2017) के सम्मान से सम्मनित किया गया। इनकी सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियों में गोपाल रत्न पुरस्कार , 2017 भी शामिल है।